# आधे कार्यकाल में ही माननीयों की कई गुना बढ़ी अचल संपत्ति

## जिले में जहां नजर डालों वहीं माननीयों की करोड़ों की अचल संपत्तियां, खनन कारोबार सहित औद्योगिक इकाईयों में माननीयों की है हिस्सेदारी

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। मध्यप्रदेश सरकार का लगभग आधा कार्यकाल पूरा हो चुका है। जिले के माननीय इस आधे कार्यकाल में सिर्फ अपने तथा अपने परिजनों एवं चहेतो के विकास तक ही सिमट कर रह गये। यदि माननीयों के चुनाव के पूर्व की संपत्ति पर नजर डाली जाये एवं वर्तमान उनके विकास पर नजर डाली जाये तो सैकड़ों गुना अधिक उनका आर्थिक विकास हुआ है जिला भले ही विकास के नाम पर अंतिम पायदान पर पिछड़ा हुआ है।**

आज पन्ना जिला मुख्यालय में देखा जाये तो जिले के प्रमुख चैराहों, प्रमुख स्थानों एवं नीलाम हो चुके शासकीय भवनों सभी को माननीयों ने अपने एवं अपने परिजनों के नाम खरीदी एवं नीलामी करवा चुके है। यही नही जिले में स्थापित सीमेंट फैक्ट्रीयों एवं औद्योगिक संस्थानों में अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सेदारी करोड़ो अरबो रूपये की मशीनरी किराये पर लगा रखी है। इतना ही नही जिले के रेत, पत्थर के खनन करोबार सहित प्रदेश के अन्य जिलो में भी माननीयों का खनन कारोबार संचालित हो रहा है। कुल मिलाकर देखा जाये तो माननीयों को अपने एवं अपनो के विकास से कोई फुरसत नही तो उन्हें जिले के विकास एवं जनता की समस्याओं एवं समाज के चैथे स्तंभ पत्रकारों की समस्याओं से क्या लेना देना। हालांकि इसके लिये कहीं न कहीं पत्रकार भी जिम्मेदार है क्योंकि जब अनावश्क रूप से इन स्वविकास पर केन्द्रीत माननीयों के पीछे पीछे चाटुकारिता करते हुए अनावश्यक रूप से स्वयं महिमा मंडित करते रहते है ऐसे चमचा पत्रकारों के रहते तो फिर उन्हें वास्तविक पत्रकारो से क्या लेना देना। जिले मे आम जनता को न्याय दिलाने की जिनकी जिम्मेदारी है वो अपनी जिम्मेदारी से विमुख हो जाते हैं निजी स्वार्थ तथा अपनों तक ही सीमित रहते हैं। जिसके कारण आम जनता की आवाज दबा दी जाती है। माननीयों के निर्देशों का अमल न करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को स्थानांतरण कराने व शिकायत करने की धमकी के चलते अधिकारी कर्मचारी आम जनता को न्याय देने की बजाय माननीयों के निर्देशों के अमल पर ज्यादा जोर देते हैं! स्थिति यह है कि स्वस्थ्य लोकतंत्र के चैथे स्तंभ माने जाने वाले मीडिया के लोग भी स्वतंत्र होकर पत्रकारिता नहीं कर पा रहे हैं। जिले के माननीय लोग भी सिर्फ अपनी वाहवाही तक सीमित होकर रह गए हैं। मीडिया लोकतंत्र का चैथा स्तंभ माना गया है। समाज का वो व्यक्ति जिसे कहीं से न्याय नहीं मिलता है तो वह मीडिया के समक्ष आता है किंतु जिले के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी मीडिया की उठाई गई आवाज पर ध्यान नहीं देते हैं।

### जिले के जनप्रतिनिधियों के आपसी मतभेद का असर

जिले में माननीयों के बीच उपजे आपसी मतभेद से हर कोई वाकिफ है जिला प्रशासन में असमंजस की स्थिति में रहता है किसकी बात सुनी जाए किसकी नहीं भाजपा कार्यकर्ता भी बडे नेताओं के आपसी मतभेद के कारण पिस रहे हैं यही नही अब माननीय कार्यकर्ताओं एवं जनता के सामने जब अपनी समस्याएं लेकर आते है तो अधिकारियों को उनके सामने समस्या निपटाने के लिये फोन करते है और जब वे वहां से चले जाते है तो उसी अधिकारी को उल्टा फोन घुमा दिया जाता है। सच्चाई जगजाहिर है किंतु लोग दबी जुबान बात करते हैं कि जिले की स्थिति काफी दयनीय है। इसका मुख्य कारण माननीयों के कार्यशैली बताई जा रही है। यदि माननीयगण अपने कर्तव्य और दायित्वों का सही तरीके से निर्वाह करें तो आम जनता को सुलभ न्याय मिल सकता है और शासन प्रशासन भी स्वतंत्र होकर शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचा सकता है किंतु आपसी खींचातानी से जहां एक ओर जिले के विकास अवरूद्ध हो चुके हैं वहीं शासन प्रशासन की फजीहत हो रही है।

# सरकारी अफसर अब नहीं बनाते हैं दौरों की अग्रिम टूर डायरी

## सैर सपाटों में होता है वाहनों का दुरूपयोग

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। सरकारी विभागों में अधिकारियों के लिये अग्रिम रूप से अपनी अनुमोदित टूट डायरी बनाने के नियम व निर्देश थे। हर अफसर को महीने भर की अग्रिम टूर डायरी बनाना होता था। उस डायरी में इस बात का उल्लेख किया जाता था कि संबंधित विभाग का अधिकारी कब कहां फील्ड का दौरा करेगा।**

उस डायरी का अनुमोदन भी अपने सक्षम वरिष्ठ अधिकारी से करवाना होता था। किन्तु वर्तमान समय पर किसी भी विभाग में अग्रिम टूर डायरी नहीं बनाई जाती। इसलिये टूर डायरी के नाम से भी अब विभागीय स्तर पर मनमानी हो रही है।

**कैसे बनती है टूर डायरी:-** बताया जा रहा है कि विभागों के अधिकारी अब अपनी टूर डायरी अपनी सुविधा के अनुसार बनाने लगे हैं। अब अफसर महीने के अंत में टूर डायरी बनाते हैं। ऐसी स्थिति में वे जहां जाते भी नहीं है वहां का भी उल्लेख अपने दौरों में करते रहते हैं। इसलिये खानापूर्ति के रूप में अब टूर डायरी बन रही है। यही कारण है कि अधिकारियों के फील्ड दौरों में मनमानी की जाती है। किन्तु इस मामले में न तो कोई कार्यवाही होती है और न ही कोई जांच। कई लोग तो ऐसे भी होते हैं जो समय पर टूट डायरी भी प्रस्तुत नहीं करते।

**दौरों के लिये मिलता है ईधन का बजट:-** शासन द्वारा हर अधिकारी को फील्ड का दौरा करने के लिये ईंधन के रूप में बजट निर्धारित किया जाता है। कौन अधिकारी महीने में कितना डीजल पेट्रोल खर्च कर सकता है इसकी भी सीमा निर्धारित की जाती है।

उसी केहिसाब से अधिकारियों को फील्ड का दौरा दिखाना होता है। किन्तु वर्तमान समय पर बताया जा रहा है कि टूर डायरी बनाने का नियम बदल चुका है। पहले जहां अग्रिम टूर डायरी बनाई जाती थी और उसका अनुमोदन लिया जाता था वहां अब यह नियम बदल चुका है।

इस तरह का आदेश कब हुआ यह तो पता नहीं है किन्तु हर विभागों में अब टूट डायरी का मतलब औपचारिकता तक सीमित हो चुका है।

### गांवो में नहीं करते रात्रि विश्राम

निर्देश तो यह भी थे कि अधिकारियों को महीने में निर्धारित कुछ दिनों में गांवों में रात्रि विश्राम भी करना था। सामान्य प्रशासन विभाग कई बार इस मामले में आदेश निर्देश भी जारी करता रहा है। किन्तु ऐसा कहीं नहीं देखा जाता कि कोई अधिकारी गांवों में गया हो और वहां रात्रि विश्राम किया हो। जबकि रात्रि विश्राम करने के पीछे उद्येश्य यह था कि सरकारी विभागों के अधिकारी गांवों में जाकर वहां की जनता से मिलेंगे और वहां की समस्याओं को समझेंगे। किन्तु अब विभिन्न प्रकार के अभियानो एवं मीटिंगों के नाम पर व्यवस्था को संचालित किया जा रहा है।

# हर घर तिरंगा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के वातावरण निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।**

प्राचार्य डॉ. जे.के. वर्मा के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन गतिविधियों, अभियानों और व्यक्तित्व विकास के अवसरों से परिचित कराना था। एनएसएस समन्वयक डॉ. एम.के. शुक्ल के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. राजेश कुमार शर्मा, डॉ. निशांत खरे और अरविंद निषाद की प्रमुख उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान आयोजित हर घर तिरंगा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दीपक प्रजापति ने प्रथम, सचिन अहिरवार ने द्वितीय तथा यशराज सिंह परमार ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके साथ ही वातावरण निर्माण सत्र के तहत विज्ञान संकाय में व्यक्तित्व विकास प्रभारी डॉ. नंद कुमार पटेल ने छात्रों को एनएसएस, एनसीसी, खेल, युवा उत्सव और प्रायोगिक/परियोजना कार्य के 100 अंकों के महत्व की विस्तार से जानकारी दी। वहीं स्वयं पोर्टल प्रभारी डॉ. मनीषा शर्मा ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के फायदों और उनके उपयोग पर संवाद किया। इस अवसर पर डॉ. निशांत खरे, सुश्री वर्षा सिंह, वरिष्ठ स्वयंसेवक मोहित रैकवार, विकास कुशवाहा, अजय सिंह गोंड, दिलीप सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# जिले में एक साल में मिले 2298 नए टीबी रोगी

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। देश को क्षय रोग मुक्त बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत व्यापक अभियान चलाया गया था, लेकिन पन्ना जिले में टीबी के मामलों में लगातार वृद्धि स्वास्थ्य विभाग के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।**

बीते 12 माह के दौरान जिलेभर मे करीब 30 हजार संदिग्ध लोगों की जांच की गई। इनमें 2298 नए क्षय रोगी चिन्हित किए गए, जिनमें पन्ना और पवई क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहे। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 तक जिले को 2100 क्षय रोगियों की खोज का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन सक्रिय सर्वे, जांच और जागरूकता अभियानों के चलते लक्ष्य से अधिक रोगी सामने आए।

**यहां हालात सबसे अधिक खराब:-** रिपोर्ट के अनुसार पन्ना में सर्वाधिक 1370 नए रोगी मिले, जबकि पवई में 315, अमानगंज में 270, अजयगढ़ में 178 और शाहनगर में 162 नए टीबी मरीज सामने आए। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सभी मरीजों को नियमित दवाएं दी जा रही हैं हर साल बढ़ रहे मामले जिले में हर वर्ष दो से ढाई हजार नए टीबी मरीज सामने आ रहे हैं। वर्ष 2023-25 में भी दो हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए थे।

### आधुनिक मशीनों से की जा रही जांच

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में हुए जांचों में 30 हजार से अधिक संदिग्ध मरीजों की जांच की गई। इनमें 2298 लोगों में टीबी की बीमारी के लक्षण पाए गए हैं। जांच के लिए बलगम जांच, सीबी नॉट एवं ट्र-नॉट जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। जांच के दौरान 2298 लोग टीबी से पीड़ित पाए गए। सभी चिन्हित रोगियों का पंजीयन कर उपचार प्रारंभ कर दिया गया है। जरूरतमंद मरीजों को पोषक आहार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

# पांच साल से धूल खा रही लाखों की सोनोग्राफी मशीन

## रेफर केन्द्र बनकर रह गया जिला चिकित्सालय

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। मध्य प्रदेश सरकार भले ही सूबे में हाईटेक स्वास्थ्य सेवाओं के बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाकर अपनी पीठ थपथपा रही हो, लेकिन पन्ना जिला अस्पताल की जमीनी हकीकत देखकर किसी का भी कलेजा कांप उठेगा। स्थिति यह हो चुकी है कि दूर-दराज के गांवों से आने वाले गरीब आदिवासियों और ग्रामीणों को यहां इलाज की जगह सीधे रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रिफर का फरमान थमा दिया जाता है।**

विशेषज्ञ डॉक्टरों के टोटके से जिला अस्पताल अब सिर्फ एक रिफर केंद्र बनकर रह गया है, जहां मरीजों को भर्ती तो किया जाता है लेकिन इलाज के नाम पर सीधे रीवा का रास्ता दिखा दिया जाता है। इस बदहाली के कारण गरीब मरीजों की जेब पर निजी सेंटरों का डाका डल रहा है और आम जनता पिस रही है।

**धूल खा रही सोनोग्राफी मशीन** - अस्पताल परिसर में लाखों रुपये की लागत से आई आधुनिक सोनोग्राफी मशीन पिछले पांच वर्षों से एक बंद कमरे में धूल खा रही है। अस्पताल में कोई स्थाई रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण यह मशीन सिर्फ एक शो-पीस बनकर रह गई है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं को भुगतना पड़ रहा है। डॉक्टरों द्वारा सोनोग्राफी लिखे जाने पर इन महिलाओं को तपती धूप या भारी बारिश में भी निजी सेंटरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। निजी डायग्नोस्टिक सेंटर मरीजों की इस मजबूरी का फायदा उठाकर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। सिविल लाईन में एक अवैध सोनोग्राफी सेण्टर चल रहा है जो डाक्टरों के कमीशन के सहारे मरीजों के साथ खुली लूट मचा रखी है। जो जांच सरकारी अस्पताल में मुफ्त होनी चाहिए, उसके लिए गरीबों को एक हजार से ढाई हजार रुपये तक की भारी-भरकम राशि कर्ज लेकर चुकानी पड़ रही है। अस्पताल को जानबूझकर भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है, जिससे निजी डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों की चांदी कट रही है प्रसव के दौरान जैसे ही कोई क्रिटिकल केस आता है, डॉक्टर तुरंत हाथ खड़े कर देते हैं। दुर्घटनाओं में घायल होने वाले मरीजों की स्थिति और भी बदतर है। पन्ना जिला अस्पताल में एकमात्र अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक गुप्ता हैं, जिनके कंधों पर सिविल सर्जन का भी अतिरिक्त भार है।

### जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी

जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी के कारण अस्पताल के वार्ड महज एक वेटिंग रूम बनकर रह गए हैं। अस्पताल में एमडी, स्त्री रोग, अस्थि रोग, नेत्र और ईएनटी जैसे महत्वपूर्ण विभागों में डॉक्टरों के पद खाली पड़े हैं। गंभीर अंदरूनी बीमारियों के मरीजों को प्राथमिक उपचार देने के लिए मेडिसिन विशेषज्ञ की भारी कमी है। अस्पताल में तैनात दो डॉक्टर भी अक्सर छुट्टी या वीआईपी ड्यूटी पर चले जाते हैं, जिससे पूरा अस्पताल खाली हो जाता है। यही हाल स्त्री रोग विभाग का है, जहां दो महिला डॉक्टर सिर्फ सुबह राउंड लगाती हैं और उसके बाद पूरा विभाग भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है।

# रेलवे निर्माण ऐजेंसी रेक निर्माण के लिए कर रही अवैध खनन

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। खजुराहो पन्ना रेल लाइन निर्माण परियोजना के तहत अजयगढ़ क्षेत्र मे ट्रेक निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है लेकिन इस निर्माण की आड़ में नियमों की अनदेखी कर संरक्षित वन भूमि पर अवैध उत्खनन किए जाने के गंभीर आरोप लग रहे हैं।**

आरोप है कि मैसर्स वेलजी रत्ना सोराढीया इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नियुक्त पेटी कॉन्ट्रेक्टर्स परिवहन लागत बचाने के लिए मनमाने तरीके से मिट्टी व मुरूम निकाल रहे हैं। मामला अजयगढ़ से सटे ग्राम पंचायत बहादुरगंज का है जहां वर्षो से वन विभाग के संरक्षण में रही चुरहाई भटिया पहाडी को इन दिनों बडी तेजी से काटा और समतल किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और पंचायतों पदाधिकारियों का दावा है कि यह पहाडी हमेशा से वन भूमि रही है जहां विभाग के मुनारे लगे थे और ग्रामीणों को लकडी काटने तक की अनुमति नहीं थी। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों द्वारा न तो स्पष्ट लिखित अनुमति दिखाई जा रही है। और न ही भूमि का विधिवत सीमांकन कराया गया है। बिना सीमांकन के पहाडी को समतल किया जा रह । है। जिससे वन क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

**अनुमति की आड़ मे हो रहा अवैध खनन:-** स्थानीय निवासियों के अनुसार रेलवे ट्रेक पहाड़ी के कुछ हिस्से से ही गुजर रहा है। ठेकेदार को वन विभाग से केवल ट्रेक पर काम करने की अनुमति मिली हुई है। लेकिन इसी अनुमति की आड़ लेकर पहाडी से बडे पैमाने पर मुरूम और मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है।

**प्राचीन मंदिर और पर्यावरण संतुलन पर मड़राया खतरा:-** इस मनमानी का खामियाजा न केवल पर्यावरण को भुगतना पड रहा है बल्कि स्थानीय आस्था को भी ठेस पहुंच रही है। स्थानीय निवासी संता पटेल का कहना है कि इसी पहाड पर एक प्राचीन ठाकुरबाबा का मंदिर है ग्रामीणों का कहना है यह पहाडी मवेशियों और बकरियों के चरने का मुख्य स्थान थी। अब पहाडी के खत्म होने से पशुओं के चरने की जगह समाप्त हो रही है हरियाली खत्म हो रही है।

# अमानगंज से मढ़ेश्वर धाम पहुंची विशाल कावड़ यात्रा

नवभारत न्यूज

**अमानगंज, 10 अगस्त। हिंदू सनातन संस्कृति के अति पावन सावन माह में देवों के देव महादेव की आराधना और पूजा करके बड़े से बड़े पापों को नष्ट करते हुए बड़े से बड़ा वरदान लिया जा सकता है और भगवान भोलेनाथ की भक्ति में भक्तगण पूरी तरह मग्न देखे जा रहे हैं।**

गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी अमानगंज नगर से विशाल कावड़ यात्रा बड़ी हनुमान मंदिर से आरंभ होते हुए नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करते हुए मढ़ेश्वर धाम के के लिए रवाना हुई जहां रस्ते रस्ते उनका स्वागत पुष्प वर्षा से भक्तों ने किया।

विशाल कांवड यात्रा - अमानगंज से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली कावड़ यात्रा इस वर्ष भी धूमधाम से निकाली गई जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया यात्रा अमानगंज के बाला जी मंदिर

श्री मढ़ेश्वर धाम में पहुंची प्रांगण से शुरू हुई पूरे यात्रा मार्ग में ग्रामवासियों ने विभिन्न स्थान पर कावड़ यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

यात्रा बाला जी मंदिर से प्रारंभ होते हुए गौरा घटारी ग्राम पहुंची, जहां लोगों ने पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया। जैसे ही यात्रा महेवा ग्राम पहुंची वहां समस्त ग्राम वासियों ने यात्रा का धूमधाम से स्वागत किया और लोग भी यात्रा में शामिल हुए। यात्रा ढोल नगाड़ों के साथ चल रही थी श्रद्धालुओं में खूब उत्सव का माहौल बना रहा। यात्रा बेली हिनौती होते हुए मढ़ेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां सामूहिक रूप से जलअभिषेक कर गांव और क्षेत्र में खुशहाली की कामना की गई।

# सरकारी बोर के नाम पर प्रतिवर्ष करोड़ों का खेल

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। पीएचई विभाग द्वारा प्रतिवर्ष करोड़ों की लागत से नये हैण्डपंपो के खनन करवाया जाता है। किन्तु खनन के पूर्व न तो आवश्यकता वाले स्थलों का चयन किया जाता और न ही उचित स्थलों में बोर ही हो पाते है।**

इतना जरूर है सर्वे की खानापूर्ति कर ली जाती है और ऊपर से स्वीकृति प्राप्त कर यहां चहेते ठेकेदारों को टेण्डर दे दिया जाता है। किन्तु टेण्डर बाद जब हैण्डपंपो का खनन होता है तभी असली खेल शुरू होता है। जहां विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार मिलकर बंदरबांट करते हैं।

**गहराई के साथ बड़ा खेल:-** सरकारी बोर कितनी गहराई का होना है और किसनी व्यास का होना है यह सब टेण्डर में दिया जाता है। किन्तु ठेकेदार निर्धारित गहराई तक कभी बोर नहीं करते। किसी भी सरकारी बोर की जांच करवाई जाय तो पता चलेगा कि बीस फिट से पचास फिट तक कम गहराई का बोर किया गया होगा। यदि औसत दस बीस फिट भी कम करके बोर किया गया तो उसकी लागत ठेकेदार के खाते में पहुच जाती हे जो फिर कमीशन के बंदरबांट में काम आती है। इसी तरह से सराकारी बोर में उपयोग होने वाली सामग्री में भी खेल होता है। जहां गुणवत्ता के अनुसार सामग्री का उपयोग नहीं होता।

### कई तरह की होती है गड़बड़ी

यदि जांच हो जाय तो पता चलेगा कि स्वीकृत किये गये हैण्ड उचित एवं आवश्यकता वाले स्थलों पर नहीं मिल सकते। जहां सामूहिक रूप से वहां स्थानीय लोगों की सहमति हो, जहां से भी अधिक से अधिक आवश्यकता वाले लोगों को पेयजल का लाभ मिल सके। स्वीकृति के बाद ठेकेदार फिर अपनी सुविधा के अनुसार बोर करने चला आता है। विभाग द्वारा भी ठेकेदार को पंचायत का नाम, गांव का नाम अथवा टोला व बस्ती का नाम दे दिया जाता है।

# छत्रसाल महाविद्यालय ने निकाली तिरंगा यात्रा

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थियों एवं जन सहयोग से रैली निकाली।**

रैली छत्रसाल पार्क में पन्ना के विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह एवं पन्ना कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली का को रवाना किया। रैली छत्रपाल पार्क से होते हुए, डॉ अंबेडकर चैक, गांधी चैक, महेंद्र भवन, अजयगढ़ चैराहा, बड़ा बाजार से होते हुए कटरा बाजार एवं वापस छत्रसाल पार्क में समाप्त समाप्त हुई। विद्यार्थियों ने वीर रस के नारों के साथ उत्साह पूर्वक रैली में सहभागिता की। इसका आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जेके वर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

# खाली सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दाखिले का अंतिम मौका

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश से वंचित रहे विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने एक और अवसर प्रदान किया है।**

इसके तहत 10 अगस्त से 14 अगस्त तक उपलब्ध रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सीधा प्रवेश दिया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. वर्मा ने बताया कि यह प्रक्रिया केवल बची हुई रिक्त सीटों के लिए ही होगी। छात्र सीटों की उपलब्धता अपने लॉगिन एवं महाविद्यालय के पोर्टल पर देख सकते हैं।

जिन विद्यार्थियों का पंजीयन पूर्व में हो चुका है, वे सीधे संबंधित महाविद्यालय में पहुंचकर प्रवेश शुल्क जमा कर अपना दाखिला पक्का कर सकते हैं। नवीनीकरण या नए पंजीकरण वाले विद्यार्थी केवल एक कॉलेज के लिए आवेदन कर सकेंगे। महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर दस्तावेजों के सत्यापन के तुरंत बाद शुल्क जमा कर उसी दिन प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने की अंतिम तिथि 14 अगस्त को शाम 5 बजे तक तय की गई है।

# सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक में सदस्यता अभियान, बरुआ संस्कार कराने का लिया गया निर्णय

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 10 अगस्त। श्री राम जानकी मंदिर प्रांगण पन्ना में सर्व ब्राह्मण समाज परिषद जिला पन्ना की एक महत्वपूर्ण बैठक राजीव तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार भगवान श्री राम जानकी एवं बजरंग बली के पूजन-अर्चन के साथ हुआ।**

बैठक में संगठन के संरक्षक पंडित संतोष कुमार चंदपुरिया ने संगठन की नियमावली एवं आगामी सदस्यता अभियान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान पं. मुरारीलाल थापक ने वर्ष 1984-85 से लेकर वर्तमान तक सर्व ब्राह्मण समाज के इतिहास और विकास यात्रा से सभी को अवगत कराया। बैठक में सामाजिक सर्वेक्षण कार्य और सदस्यता राशि निर्धारण के संबंध में सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित वरिष्ठ समाजजनों ने संगठन को मजबूती देने और सामाजिक उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डॉ. टी.आर. नायक ने प्राथमिकता के आधार पर ग्राम स्तर से लेकर नगर स्तर तक शीघ्र सर्वेक्षण कार्य पूरा कराने पर जोर दिया। ए.बी. प्यासी ने एक साथ कम से कम 11 बच्चों का बरुआ संस्कार (उपनयन संस्कार) कराने का प्रस्ताव रखा, जिसे

प्राथमिकता से पूरा करने की बात कही गई। वहीं प्रमोद पाठक ने आगामी 19 तारीख को तुलसी जयंती के अवसर पर रामायण पाठ करने वाले पंडितों और बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार वितरण का प्रस्ताव दिया। अजय बाजपेयी ने प्रत्येक मोहल्ले में सर्वेक्षण से पूर्व बैठकें आयोजित करने और 20 अप्रैल को आयोजित परशुराम जन्मोत्सव के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने की बात कही, ताकि दानदाताओं को सही जानकारी मिल सके। साथ ही जिला प्रशासन के सहयोग से इंद्रपुरी कॉलोनी स्थित चंद्रशेखर पार्क में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का शिलान्यास कराने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम के उत्तरार्ध में पंडित मुरारीलाल थापक द्वारा पन्ना नगर एवं ग्रामीण अंचलों की दिवंगत आत्माओं स्व. देवीदत्त चतुर्वेदी, स्व. शकुंतला दुबे, स्व. उमादेवी बाजपेयी, स्व. धर्मेंद्र चैबे और स्व. तनवी तिवारी की शांति के लिए समस्त समाजजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बैठक में रमेश तिवारी, अश्वनी कुमार पाण्डेय, श्रीराम रिछारिया, रमेश मिश्रा, रावेन्द्र अरजरिया, मिथलेश तिवारी, राजेश कुमार अवस्थी, विजय शंकर गर्ग, महेन्द्र कुमार मिश्र, हरिओम चैरहा, अतुल कुमार गर्ग, कमलेश कुमार त्रिपाठी, राजू पटैरिया, शुभम रिछारिया, यश कुमार चन्दपुरिया, हेतराम मिश्रा, संदीप पाण्डेय, विजय पाण्डेय, देवकी प्रसाद बाजपेयी, डॉ. टी.आर. नायक, प्रदीप पाण्डेय, दिनेश गौतम, प्रवीण पाठक, गणेश शंकर शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित रहे।